MAIN NEWS HEADLINE भारत में जल सुरक्षा, जल संरक्षण और प्रबंधन को नई द

वषिय सूची (Table of Contents):

>> ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026 भारत में जल सुरक्षा और संरक्षण को मलिी नई दि...
>> गहराता भूजल संकट बढ़ती मांग और सीमति संसाधनों के बीच टकिाऊ प्रबंधन की चुनौती...
>> भूजल दोहन के प्रमुख कारण...
>> जल जीवन मशिन 2.0 हर घर नल से आगे बढ़कर सुरक्षति और नरितर जल आपूर्त पिर फोकस...
>> जल जीवन मशिन 2.0 की प्रमुख वशिषताएं...
>> जल संरक्षण अब सर्वोच्च प्राथमकिता कैच द रेन और अमृत 2.0 अभयिान से ग्राउंडवा...
>> वर्षा जल संचयन और नगरीय जल प्रबंधन...
>> सामूहकि सहयोग की अपील जल संकट से नपिटने में एमएसएमई, स्टार्टअप्स और तकनीक की अह...
>> छोटे उद्योगों और स्टार्टअप्स का योगदान...
>> सरकार और उद्योग जगत का महामंथन सस्टेनेबल वॉटर सस्टिम बनाने के लएि नीतनिर्मिाता...
>> इंडयिा वॉटर मैंडेट 2030 की मुख्य बातें...
>> जल प्रबंधन का डजिटिल भवषि्य रोबोटक्सि और सर्वलिांस तकनीक से होगी वाटर इंफ्रास्ट...
>> डजिटिल सर्वलिांस के फायदे...
>> नषि्कर्ष...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026: भारत में जल सुरक्षा और स

नई दल्लिी, 6 अगस्त 2026:भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगकि वकिास और कृषकि्षेत्र की पानी पर बढ़ती नरि्भरता के कारण जल संकट एक गंभीर वषिय बन चुका है। वर्ष 2026 में देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए जल स्रोतों की खोज करना नहीं है, बल्कउिपलब्ध जल की हर एक बूंद का सही उपयोग, संरक्षण, ट्रीटमेंट और रीसायकल करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नई दल्लिी के प्रतषि्ठति भारत मंडपम मेंईएडब्ल्यू (EAW) ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026की आधकिारकि शुरुआत हुई।

इस तीन दविसीय अंतरराष्ट्रीय शखिर सम्मेलन में नीतनिर्मिाताओं, जल क्षेत्र के वशिषज्ञों, उद्योग जगत के दग्गिजों, टेक्नोलॉजी प्रदाताओं और उभरते स्टार्टअप्स ने शरिकत की। इस एक्सपो का मुख्य लक्ष्य भारत की लगातार बढ़ रही पानी की जरूरतों के लएि एक व्यावहारकि और टकिाऊ समाधान तैयार करना है। सम्मेलन में जल प्रबंधन की आधुनकि तकनीकों और आगामी रणनीत पिर व्यापक वचिार-वमिर्श कयिा गया।

इसके अतरिक्ति, आम नागरकिों और वद्यिार्थयिों के लएि सरकार द्वारा चलाई जा रही वभिन्नि योजनाओं तथा प्रतयिोगी परीक्षाओं की जानकारी हासलि करना बेहद आवश्यक हो गया है। आपUGC NET 2026: पेपर 1 और 2 का पूरा सलिबस और नया एग्जाम पैटर्न!ऑनलाइन चेक कर सकते हैं और अपनी तैयारी को बेहतर दशिा दे सकते हैं।

गहराता भूजल संकट: बढ़ती मांग और सीमति संसाधनों के बीच टकिाऊ

भारत में ग्राउंडवाटर (भूजल) का अंधाधुंध दोहन एक गंभीर वैश्वकि और राष्ट्रीय चति का वषिय बना हुआ है। सरकारी आकलनों से स्पष्ट होता है कि देश के कई राज्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्तर खतरनाक रूप से नीचे गरि चुका है। खेती में सचिाई, औद्योगकि इकाइयों की मांग और शहरों में बढ़ती आबादी के कारण प्राकृतकि जल भंडारों पर भारी दबाव है।

भूजल दोहन के प्रमुख कारण

>> कृषि में पारंपरकि सचिाई:भूजल का लगभग 80% भाग खेती में उपयोग होता है, जहाँ आधुनकि सचिाई तकनीकों की कमी है।

>> अनयिंत्रति शहरीकरण:कंक्रीट के जंगलों के नरि्माण के कारण बारशि का पानी जमीन के भीतर प्राकृतकि रूप से रचिार्ज नही हो पाता।

>> औद्योगकि उपयोग:कारखानों और वनिरि्माण इकाइयों द्वारा भूजल का व्यापक स्तर पर नष्किर्षण।

अब समय आ गया है कि बढ़ती मांग और सीमति प्राकृतकि संसाधनों के बीच एक मजबूत संतुलन बनाया जाए। स्थानीय जल नकिायों, तालाबों और नदयिों का जीर्णोद्धार करके ही हम भवष्यि के संकट को टाल सकते हैं।

जल जीवन मशिन 2.0: हर घर नल से आगे बढ़कर सुरक्षति और नरिंतर ज

भारत सरकार ने देश के ग्रामीण इलाकों में पीने योग्य पानी पहुँचाने के लएि वर्ष 2019 में जल जीवन मशिन का शुभारंभ कयिा था। इसके तहत करोड़ों ग्रामीण परविारों को नल का कनेक्शन उपलब्ध कराकर एक ऐतहिासकि उपलब्धि हासलि की गई है। लेकनि केवल नल का कनेक्शन होना ही पेयजल सुरक्षा की गारंटी नहीं है।

जल जीवन मशिन 2.0 की प्रमुख वशिषताएं

पानी की नरिंतरता, शुद्धता, मेंटेनेंस और दीर्घकालकि सस्टेनेबलिटिी को सुनश्चिति करने के लएि केंद्र सरकार नेमार्च 2026 में जल जीवन मशिन 2.0 को मंजूरीदी है। इस योजना को अब दसिंबर 2028 तक के लएि बढ़ा दयिा गया है।

>> ऑपरेशन और मेंटेनेंस (O M):केवल ढांचागत नरि्माण ही नहीं, बल्कि पाइपलाइनों की नयिमति मरम्मत और देखरेख पर ध्यान देना।

>> जल गुणवत्ता की जांच:ग्रामीण स्तर पर वॉटर टेस्टगि कटि और लैब्स के जरएि पानी की शुद्धता सुनश्चिति करना।

>> सस्टेनेबल गवर्नेंस:स्थानीय पंचायतों और ग्राम जल समतियिों को प्रबंधन की जम्मिेदारी और अधकिार सौंपना।

जल संरक्षण अब सर्वोच्च प्राथमकिता: कैच द रेन और अमृत 2.0

जल संरक्षण अब केवल सरकारी घोषणाओं तक सीमति नहीं है, बल्कि यह एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। केंद्र सरकार के अमृत 2.0 (AMRUT 2.0) पहल के तहत कैच द रेन (Catch the Rain)अभयिान को पूरे देश में आक्रामक रूप से लागू कयिा जा रहा है।

वर्षा जल संचयन और नगरीय जल प्रबंधन

शहरी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे नरि्माण कार्य के कारण वर्षा जल का संचयन (Rainwater Harvesting) अनविार्य हो गया है। इमारतों की छतों, सोक पट्सि और ग्राउंडवाटर रचिार्ज वेल की मदद से बारशि के पानी को सीधे जमीन के अंदर पहुँचाने का काम जारी है।

इसके साथ ही, समाज कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने के लएि प्रशासनकि नयिमों की जानकारी होना जरूरी है। उदाहरण के लएि,खुशखबरी! अब राशन कार्ड और वोटर ID से बनेगी वृद्धावस्था पेंशनके तहत नए नयिमों का लाभ उठाकर योग्य नागरकि आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

सामूहकि सहयोग की अपील: जल संकट से नपिटने में एमएसएमई, स्टार्

ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026 के दौरानअर्थ वॉटर फाउंडेशन (Earth Water Foundation) की संस्थापकिा शविानी घोरावतने सार्वजनकि और नजिी क्षेत्रों के बीच तालमेल बढ़ाने पर बल दयिा। उन्होंने कहा कि जल संकट से केवल सरकार अकेले नहीं नपिट सकती, बल्कि इसमें उद्योग जगत और आम जनता का सहयोग आवश्यक है।

छोटे उद्योगों और स्टार्टअप्स का योगदान

>> प्रैक्टकिल वॉटर रीसाइक्लगि:एमएसएमई (MSME) और छोटे उद्योगों को जल की रीसायक्लगि और री-यूज़ की कफिायती

तकनीकों को अपनाना होगा।

>> इनोवेटवि स्टार्टअप्स:नए स्टार्टअप्स ऐसे वॉटर-सेवगि प्रोडक्ट्स ला रहे हैं जो 50% से अधकि पानी की खपत घटा सकते हैं।

>> नागरकि एजेंसयिों का सहयोग:दल्लिी जल बोर्ड (DJB) जैसी प्रमुख नागरकि संस्थाओं को जल रीसाइक्लगि तकनीकों को बड़े पैमाने पर लागू करना होगा।

सरकार और उद्योग जगत का महामंथन: सस्टेनेबल वॉटर सस्टिम बनाने

ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो का यह 21वां संस्करण इनोवेशन, सस्टेनेबलिटिी और कोलेबोरेशन के जरएि पानी के भवष्यि को आकार देना थीम पर आयोजति कयिा गया। उद्घाटन सत्र में इंडयिा वॉटर मैंडेट 2030 पर चर्चा करते हुए जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने सरकारी प्राथमकिताओं को रेखांकति कयिा।

इंडयिा वॉटर मैंडेट 2030 की मुख्य बातें

मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने स्पष्ट कयिा कि नीतनिर्माण (Policy Making) और तकनीकी नवाचार (Technological Innovation) को एक साथ लाना होगा। सरकार, शोधकर्ताओं, उद्योगपतयिों और स्टार्टअप्स को मलिाकर एक मजबूत इकोसस्टिम तैयार कयिा जा रहा है, ताकि 2030 तक भारत को जल-सुरक्षति बनाया जा सके।

कानूनी और नीतगित ढांचे से जुड़ी आधकिारकि जानकारी प्राप्त करने के लएि नागरकिइंडयिा कोड: भारत के सभी कानून और अधनियिम अब एक ही पोर्टल पर!ऑनलाइन देख सकते हैं और वभिन्नि जल संरक्षण नयिमों की वस्तिृत PDF सूची डाउनलोड कर सकते हैं।

जल प्रबंधन का डजिटिल भवष्यि: रोबोटक्सि और सर्वलिांस तकनीक से

पारंपरकि जल वतिरण प्रणालयिों में सबसे बड़ी समस्या पाइपलाइन लीकेज और पानी की चोरी की रही है। एक्वा एक्सपो मेंडीएसआई रोबोटक्सि (DSI Robotics) के प्रोजेक्ट हेड धीरजने वॉटर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रबंधन में डजिटिल तकनीक और रोबोटक्सि के इस्तेमाल का प्रदर्शन कयिा।

डजिटिल सर्वलिांस के फायदे

>> स्मार्ट सेंसर्स और AI मॉनिटरिंग:पाइपलाइनों में होने वाले सूक्ष्म लीकेज और प्रेशर में गिरावट की तुरंत जानकारी देना।

>> रोबोटिक इंस्पेक्शन:इंसानी पहुँच से बाहर की भूमिगत पाइपलाइनों की स्थिति की रीयल-टाइम जाँच करना।

>> वेस्टेज कंट्रोल:शुरुआती चरण में ही खराबी का पता लगाकर लाखों लीटर शुद्ध पानी को बर्बाद होने से बचाना।

निष्कर्ष

ईएडब्ल्यू ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत का जल प्रबंधन अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। केवल पानी के नए स्रोतों की खोज के बजाय, अब ध्यान जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, रोबोटिक मॉनिटरिंग और जल पुनर्चक्रण पर केंद्रित है। जल जीवन मिशन 2.0 और अमृत 2.0 जैसी दूरदर्शी सरकारी योजनाओं के साथ-साथ एमएसएमई, स्टार्टअप्स और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही भारत एक आत्मनिर्भर और जल-सुरक्षित राष्ट्र बन सकता है।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

ईएडब्ल्यू (EAW) ग्लोबल एक्वा एक्सपो 2026 के 21वें संस्करण का आयोजन 6 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू हुआ।

केंद्र सरकार ने मार्च 2026 में जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है और इसकी कार्यान्वयन अवधि को बढ़ाकर दिसंबर 2028 तक कर दिया है।

इस एक्सपो की आधिकारिक थीम इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और कोलेबोरेशन के जरिए पानी के भविष्य को आकार देना निर्धारित की गई थी।

कैच द रेन अभियान भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की अमृत 2.0 (AMRUT 2.0) योजना का एक प्रमुख हिस्सा है, जो वर्षा जल संचयन पर जोर देता है।

रोबोटिक्स और स्मार्ट डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए पाइपलाइनों के लीकेज और खराबी की शुरुआती चरण में पहचान हो जाती है, जिससे पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है।

एमएसएमई और स्टार्टअप्स जल रीसाइक्लिंग, वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट और पानी बचाने वाले उपकरणों की किफायती तकनीक विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।